

संभाषी वि. (तत्.) बातचीत करने वाला, कहने वाला, बोलने वाला।

संभाष्य पुं. (तत्.) बातचीत करने योग्य विषय या व्यक्ति।

संभिन्न वि. (तत्.) 1. छिन्न-भिन्न, बिल्कुल टूटा हुआ 2. क्षुब्ध 3. परित्यक्त 4. सिकुड़ा हुआ 5. युक्त, मिला हुआ 6. संपर्क में आया हुआ 7. ठोस 8. कसा हुआ, गठा हुआ 9. विकसित।

संभीत वि. (तत्.) डरा हुआ, भयभीत।

संभूत वि. (तत्.) 1. पैदा 2. उद्भूत, सहित 3. उत्पन्न 4. युक्त 5. सहित, एक साथ उत्पन्न होने वाले, सम्मिश्रित 6. योग्य, उपयुक्त।

संभूय क्रि.वि. (तत्.) साझे में, मिलजुल कर, एक साथ, एक में।

संभूयकारी वि. (तत्.) साझे में किया जाने योग्य।

संभृत वि. (तत्.) 1. एकत्र किया हुआ, संकेद्रित, संगृहीत 2. केंद्रित 3. उद्यत 4. तैयार 5. उचित 6. तैयार किया हुआ 7. युक्त, सहित 8. लब्ध 9. रखा हुआ, जमा किया हुआ 10. प्राप्त 11. पूर्ण, पूरा, सारा 12. नीत, वाहित 13. सम्मानित 14. पूजित 15. उच्च ध्वनि 16. सुसंपन्न 17. धारण किया हुआ 18. लब्ध 19. भरण-पोषण किया हुआ, पालित, उत्पादि।

संभृति स्त्री. (तत्.) 1. एकत्रित, धारित, संग्रह, राशि, समूह 2. साज-सामान, तैयारी 3. आधिक्य 4. सहारा 5. संधारण 6. पालन-पोषण 7. रक्षा 8. पूर्णता।

संभृष्ट वि. (तत्.) अच्छी तरह भूना हुआ, सुखाया हुआ, तुनुक, करारा।

संभेद पुं. (तत्.) 1. आपस में मिले हुए व्यक्तियों, पदार्थों, तत्वों आदि का भेदन, चीरना या तोड़ना 2. अलग होकर गिरना, टूटना 3. शत्रुओं में फूट डालना, अलगाव, भेद 4. प्रकार, भेद, किस्म 5. एकरूपता 6. योग, मिलन, संसर्ग, नदियों का मिलन, संसर्ग, संगम, नदी का समुद्र आदि में गिरना 7. विकसित होना 8. खिलना।

संभेद्य वि. (तत्.) 1. भेदन/छेदन के योग्य, जिसका संभेदन हो सकता हो 2. जिसका संभेदन होना हो 3. संपर्क में लाने योग्य, भिड़ाने योग्य दे. संभेद।

संभोग पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु का अच्छी तरह भोग/उपभोग/उपयोग/व्यवहार करना 2. (स्त्री-पुरुष का) समागम या इंद्रिय सुख, संयोग या मिलाप, रति क्रीड़ा, मैथुन, कामवासना की तृप्ति 3. भोगविलास की वस्तुएँ या सामग्री 4. लंपट 5. गजकुंभ का विशेष भाग।

संभोग काय वि. (तत्.) 1. जिसका संभोग या उपभोग किया जा सकता हो, जो संभोग के योग्य हो, मैथुन के योग्य, जिसके साथ संभोग किया जाने वाला हो 2. बुद्ध के तीन शरीरों में से एक।

संभ्रम पुं. (तत्.) 1. चक्कर खाना 2. दौड़-धूप, प्रयत्न 3. घूमना 4. उतावली, जल्दबाजी, हड़बड़ी 5. भय, डर 6. भूल 7. विकलता, घबराहट, परेशानी 8. भारी भ्रम 9. मान, सम्मान, आदर किसी के प्रति 10. श्री, शोभा, आदरपूर्वक सिर झुकाना वि. क्षुब्ध, घूमता हुआ, नाचता हुआ।

संभ्रांत वि. (तत्.) 1. चक्कर खाया हुआ, घबराया हुआ, विकल, परेशान 2. बहुत भ्रमित, भ्रम में पड़ा हुआ 3. प्रतिष्ठित, सम्मानित 4. कुलीन 5. स्फूर्ति युक्त।

संभ्रांति स्त्री. (तत्.) संभ्रांत होने की अवस्था या भाव, भ्रांति, भ्रम।

संभ्राजना अ.क्रि. (तत्.) अच्छी तरह सुशोभित होना।

संयत वि. (तत्.) 1. नियंत्रण, पकड़ 2. दबाव में रखा हुआ 3. बद्ध 4. मर्यादित 5. रोका हुआ, वश में लाया हुआ, वशीभूत 6. व्यवस्थित 7. नियम बद्ध, क्रम बद्ध 8. जितेंद्रिय 9. वासनाओं और मन को वश में रखने वाला, निग्रही, उचित सीमा में रोका हुआ 10. जकड़ा हुआ, एक स्थान पर बाँधा हुआ, बंदी, कैदी, कारावासी 11. उद्यत, तैयार।